Written by कुमार सौवीर
Sunday, 01 April 2018 00:31

:□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ **10,000** □□ □□□□,□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ **:**□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ **:**□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□,□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ **:**

□□□□□ □□□□□

□□□□ **:**अरे दरोगा जी, अरे यार □कगुजारिश है□ अब आप ऐसा कीजा□ कि अपनी जुबान में जहर भरी गाली की खदानों को खोदना बंद कर दीजा□□ लोगों पर बल प्रयोग करने के ला□ डंडा का इस्तेमाल बंद कर दीजा□ और उसके बाद केवल अपने उस दमिाग को खोला□ जो किसी भी इंसान की इंसानयित का राजमार्ग होता है□ फरि देखा□, आप देखेंगे कि आपकी जदिगी किसी गरिोहबंद पुलसिवाले की तरह नहीं, बल्कि आम आदमी के ला□ अपने समर्पण और व्यवहार को लेकर कितनी लाजवाब लहलहाती फसल की तरह दखिाई पड़ेगी□ आप देखा□ तो तनकि, कि आपके दलि-दमिाग के खुले रास्तों से सकारात्मक प्रयासों ने कैसा रंग दखिाया है कि आज आपको यूपी का पुलसि महानदिशक अपने घर चाय पलिाने के ला□ बेकरार है□

आया यकीन, या नहीं ?

यह कोई क्पोल-कल्पति या किसी पौराणकि तोता-मैना की कहानी का हस्सिा नहीं है, बल्कि बहराइच के सीमांत क्षेत्र के पुलसि थाना यानी जरवल रोड का मामला है□ इस इंस्पेक्टर ने आम आदमी पर बल प्रयोग के बजाय इसने अपनी समझदारी का उपयोग करते हु□ □कऐसा करामाती कमाल कर दयिा है कि आज उसकी बीनें कामकाज और उसके ढंग के चलते पूरे पुलसि महकमे पर बज रहे हैं□ तारीफ राग-रागनयिां झूम रहे हैं और आम आदमी इस दरोगा की कोशशिों पर पूरे गर्व के साथ नाच रहा है□ ऐसा क्यों न हो, ऐसे इंस्पेक्टर ने वैसा काम कर दयिा है कि इसके पहले किसी ने न कभी सोचा था न कयिा था□

इस पुलसि इंस्पेक्टर का नाम है मधुप नाथ मशि्र□ बस्□ ती के मूल नविासी और फलिहाल बहराइच के इंस्□ पेक्□ टर मधुप इस वक्त बहराइच के जरवल रोड थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर है□ लेकनि इनकी ख्याति जलि और मंडल से ऊपर हो चुकी है□ पूरा पुलसि महकमा उनके नाम का बल्□ ला अपने माथे पर चस्पा कि□ घूम रहा है□ इतना ही नहीं, मधुप नाम के इस शख्स को लेकर उत्तर प्रदेश के पुलसि महानदिशक ओपी सहि ने मजबूर कर दयिा कि, मैं उसे उसकी कोशशिों का सम्□ मान करूं, उसको प्रश्रय दूं, और पूरे पुलसि महकमे पर रंग दयिा जा□□

डीजीपी से चाय पीनी हो तो डंडा छोड़ दारोगा , इश्क कर

Written by कुमार सौवीर
Sunday, 01 April 2018 00:31

[illegible]

2 / 2